



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

बहादुरण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड ३—उप-खण्ड (i)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)

ग्राहिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 387] नई दिल्ली, सोमवार, सितम्बर 10, 1990/भाद्रा 19, 1912  
No. 387] NEW DELHI, MONDAY, SEPTEMBER 10, 1990/BHADRA 19, 1912

इस भाग में १ लाख पृष्ठ संख्या तक आर्थिक विषयों के लिए अलग संहारन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

उद्योग भवालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

(कम्पनी विधि बोर्ड)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 10 सितम्बर, 1990

सा. का. नि. 768(ग्र) — दिनांक 5 सितम्बर, 1985 की अधिसूचना संख्या  
सा. का. नि. 724(ग्र) की अनुवृत्ति में, भवा भारत सरकार, विधि, न्याय और कम्पनी  
कार्य मंत्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) की दिनांक 24 जून, 1975 की अधिसूचना संख्या

सा. का. नि. 343(प्र) के साथ पठित, कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 294क की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, कम्पनी विधि बोर्ड की यह राय होते हुए कि नीचे वर्णित सामग्री के वर्गों के लिए, मांग इस प्रकार की सामग्री के उत्पादन अथवा सम्भरण से व्यापक रूप से अधिक है, तो एकमात्र विक्रेता अधिकारियों की सेवाएं, इस प्रकार की सामग्री हेतु विषयन के सूजन के लिए आवश्यक नहीं होंगी, एकदृष्टि धौरना है कि इन व्यावसायिकों के सरकारी राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से पांच वर्ष की अवधि के लिए, इन प्रकार की सामग्रियों के बिक्री हेतु, कम्पनी द्वारा एकमात्र विक्रेता अधिकारियों की नियुक्ति नहीं की जाएगी।

1. चीनी
2. घनस्पति

[फा. सं. 11/3/90-सी. एल.-10]

वेद प्रकाश गुप्त, सदस्य, कम्पनी विधि बोर्ड

MINISTRY OF INDUSTRY  
(Department of Company Affairs)  
(Company Law Board)

#### NOTIFICATION

New Delhi, the 10th September, 1990.

G.S.R. 768(E).—In continuation of notification No. G.S.R. 724(E) dated the 5th September, 1985 in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 294AA of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) read with the notification of the Government of India, Ministry of Law, Justice and Company Affairs (Department of Company Affairs), No. G.S.R. 343(E), dated the 24th June, 1975, the Company Law Board, being of the opinion that the demand for the categories of goods specified below is substantially in excess of the production or supply of such goods and that the services of the sole selling agents, will not be necessary to create a market for such goods, hereby declares that sole selling agents shall not be appointed by a company for the sale of such goods for a further period of five years from the date of publication of this notification in the Official Gazette.

1. Sugar
2. Vanaspati

[F. No. 11/3/90-CL.X]

V. P. GUPTA, Member, Company Law Board.